समुदायिकवादी

Dr. Varchasa Saini

Assistant Professor

Department of Political Science

J.K.P.PG College, Muzaffarnagar

सामुदायिकवादी

- समूदायिकवादियों में लास्की, मैकाइवर, कोल आदि का नाम लिया जा सकता है। समूदायिकवादी इस बात पर जोर देते हैं कि राज्य के समान ही अन्य समुदाय है अर्थात् राज्य और समुदाये एक दुसरे के समान अधिकार रखने वाला संगठन है। यह उल्लेखनीय है कि स्मूदयवाद या बहुलवाद में

- हैरॉल्ड जोसेफ लास्की का 20वीं शताब्दी के राजनीतिक चिंतकों में प्रमुख स्थान है। लास्की का कहना है कि राज्य एक समुदाये के सामान है अर्थात राज्ये के सामान अन्य समुदायों के पास भी प्राधिकार होता है।

- लास्की इसी बात को मानता है कि राज्य और अन्य समुदाये बराबर है, लेकिन सभी में राज्या सर्वोच्च है। लास्की के ही शब्दों में, “विभिन्न समुदायों में राज्य एक सर्वोच्च समूदाय है।”

- लास्की के कुछ महत्त्वपूर्ण ग्रंथ निम्नलिखित हैं।
  - A Grammar of Politics.
  - Studies in the Problems of Sovereignty.
  - Liberty in Modern State.
  - Communism.
  - Where Socialism Stands To-Day.
  - Studies in Loyal Politics.
  - Socialism and Freedom.
  - Democracy in crisis.

- ❏ The Dangers of Obedience.
- ❏ Authority in Modern State.
- ❏ Parliamentary Government in England.
- ❏ The State in Theory and Practice.
- ❏ An Introduction ro Politics
- ❏ Studies in Law and Politics.
- ❏ Political Thought in Britain from Locke to Bentham.
- ❏ The Foundation of Sovereignty.

- लास्की एक ऐसे विचारक हैं जिनके विचार में हम मार्क्सवादी व उदारवादी तत्वोंको आसानी से ढूँढ़ सकते हैं। लास्की प्रारम्भ में मार्क्स से प्रभावित हैं, बाद में चलकर उदारवादी विचारधारा से प्रभावित हो जाता है। ऐसे लास्की को एक समुदायवादी व बहुलवादी विचारक के रूप में जानते हैं।